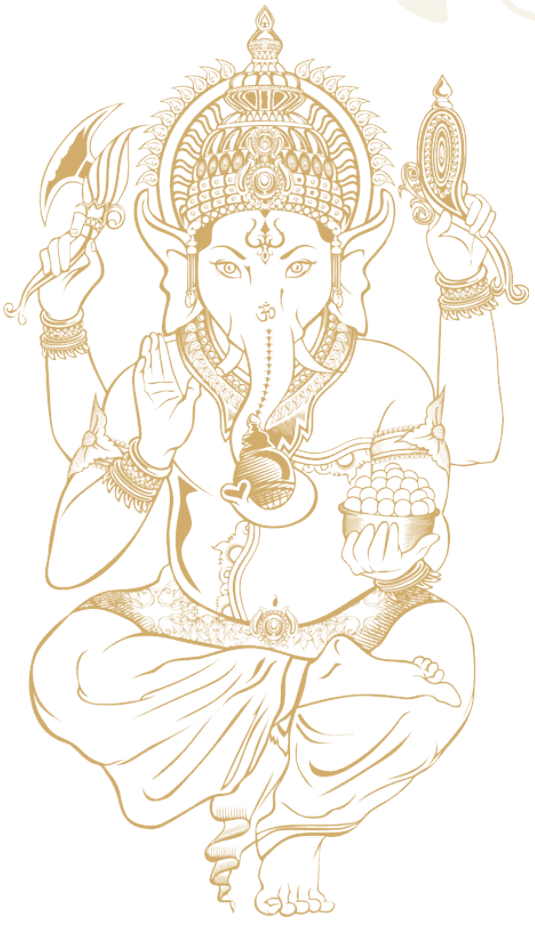

Mis. Aditi

02 Aug 2025

12:31 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119050802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/08/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:31:00 घंटे**
इष्ट	16:59:39 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:09:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:17 घंटे
साम्पातिक काल	08:54:23 घंटे
सूर्योदय	05:43:08 घंटे
सूर्यास्त	19:11:06 घंटे
दिनमान	13:27:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	16:02:37 कर्क
लग्न के अंश	13:48:45 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुष्टि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:48:45	309:36:43	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			कर्क	16:02:37	00:57:25	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	24:22:22	11:52:30	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	02:52:56	00:37:02	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कर्क	13:50:30	00:42:53	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	17:46:23	00:12:47	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	08:14:54	01:09:34	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		मीन	07:22:55	00:01:59	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:50:51	00:01:05	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:50:51	00:01:05	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	06:44:35	00:01:42	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	07:44:56	00:00:52	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	08:11:09	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	16:55:37	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:56

लग्न-चलित

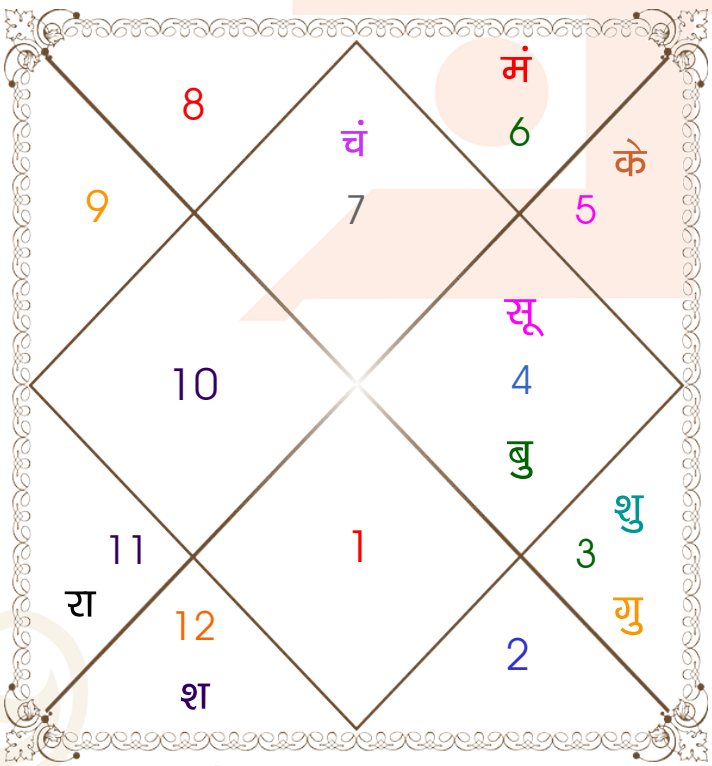

चन्द्र कुंडली

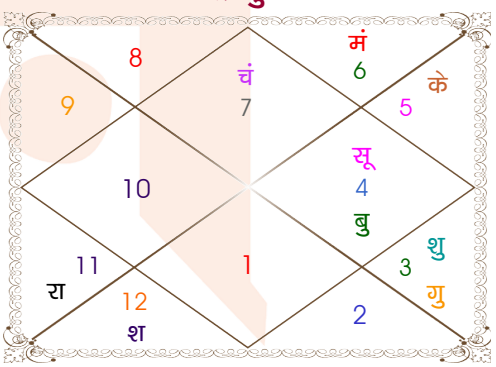

नवमांश कुंडली

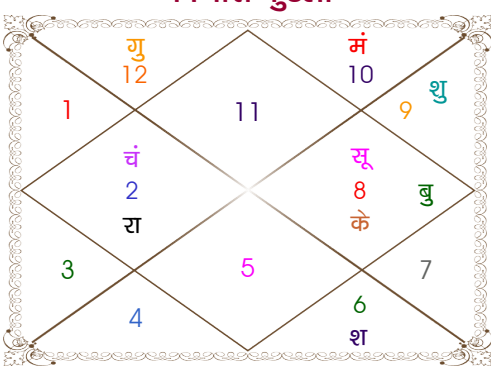

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 9 मास 1 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/08/2025		03/05/2036		04/05/2055		03/05/2072		04/05/2079	
03/05/2036		04/05/2055		03/05/2072		04/05/2079		04/05/2099	
	00/00/0000	शनि	07/05/2039	बुध	30/09/2057	केतु	30/09/2072	शुक्र	03/09/2082
	02/08/2025	बुध	14/01/2042	केतु	27/09/2058	शुक्र	30/11/2073	सूर्य	03/09/2083
बुध	10/04/2027	केतु	23/02/2043	शुक्र	28/07/2061	सूर्य	07/04/2074	चंद्र	04/05/2085
केतु	16/03/2028	शुक्र	25/04/2046	सूर्य	03/06/2062	चंद्र	06/11/2074	मंगल	04/07/2086
शुक्र	15/11/2030	सूर्य	07/04/2047	चंद्र	03/11/2063	मंगल	04/04/2075	राहु	04/07/2089
सूर्य	03/09/2031	चंद्र	05/11/2048	मंगल	30/10/2064	राहु	21/04/2076	गुरु	04/03/2092
चंद्र	02/01/2033	मंगल	15/12/2049	राहु	19/05/2067	गुरु	28/03/2077	शनि	04/05/2095
मंगल	09/12/2033	राहु	21/10/2052	गुरु	24/08/2069	शनि	07/05/2078	बुध	04/03/2098
राहु	03/05/2036	गुरु	04/05/2055	शनि	03/05/2072	बुध	04/05/2079	केतु	04/05/2099

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/05/2099		05/05/2105		05/05/2115		05/05/2122		04/05/2140	
05/05/2105		05/05/2115		05/05/2122		04/05/2140		00/00/0000	
सूर्य	22/08/2099	चंद्र	05/03/2106	मंगल	01/10/2115	राहु	15/01/2125	गुरु	23/06/2142
चंद्र	20/02/2100	मंगल	04/10/2106	राहु	19/10/2116	गुरु	11/06/2127	शनि	03/01/2145
मंगल	28/06/2100	राहु	04/04/2108	गुरु	25/09/2117	शनि	17/04/2130	बुध	03/08/2145
राहु	23/05/2101	गुरु	04/08/2109	शनि	04/11/2118	बुध	03/11/2132		00/00/0000
गुरु	11/03/2102	शनि	05/03/2111	बुध	01/11/2119	केतु	22/11/2133		00/00/0000
शनि	21/02/2103	बुध	04/08/2112	केतु	29/03/2120	शुक्र	21/11/2136		00/00/0000
बुध	29/12/2103	केतु	05/03/2113	शुक्र	29/05/2121	सूर्य	16/10/2137		00/00/0000
केतु	04/05/2104	शुक्र	04/11/2114	सूर्य	04/10/2121	चंद्र	17/04/2139		00/00/0000
शुक्र	05/05/2105	सूर्य	05/05/2115	चंद्र	05/05/2122	मंगल	04/05/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 8 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।